

[This question paper contains 6 printed pages.]

(15)

Your Roll No.. 2022

Sr. No. of Question Paper : 3022

A

Unique Paper Code : 12131601

Name of the Paper : Indian Ontology and
Epistemology

Name of the Course : B.A. (H), Core, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions.

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-10

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

भाग - क / Section - A

1. 'दर्शन' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए भारतीय दर्शन के सामान्य वर्गीकरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए। (6)

Define the term 'Darsana' and give a brief description of general classification of the Indian philosophy.

अथवा / OR

एकतत्त्ववादी अद्वैत-वेदान्त दर्शन का वर्णन कीजिए।

Describe the monotheistic philosophy of Advaita Vedānta.
Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-11

2. कार्यकारणवाद विषयक सांख्यमत का विवेचन कीजिए। (6)

Discuss the Sāṅkhya doctrine of cause and effect.

अथवा / OR

स्वभाववाद एवं परिणामवाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

Describe the doctrines of Svabhāvavāda and Parināmavāda.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(4.5 + 4.5)

Write short notes on any **two** of the following :

- (i) धर्म - धर्मी (Property and Property-Bearer)
- (ii) प्रत्ययवाद (Idealism)
- (iii) आरम्भवाद (Doctrine of non-pre-existence)

भाग - ख / Section - B

4. पदार्थ के स्वरूप को बताते हुए 'अभाव' पदार्थ के स्वरूप का वर्णन कीजिए। (7)
- Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

Describe the Characteristics of Padārtha (category), and discuss the nature of the Category of 'Abhāva'.

अथवा / OR

द्रव्य के स्वरूप को पारिभाषित करते हुए आत्मा एवं मनस् द्रव्य का विवेचन कीजिए।

Define Substance and describe the Substances of ātmā and manas.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6 + 6)

Explain any **two** of the following :

(i) उष्णस्पर्शवत्तेजः । Jeshbandnu.College Library
Kalkaji, New Delhi-19

(ii) नित्यसम्बन्धः समवायः ।

(iii) नित्यमेकमनेकाऽनुगतं सामान्यम् ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (4 + 4)

Comment on any **two** of the following :

(i) कर्मभेद (Types of actions)

(ii) पृथिवी (Earth)

(iii) कार्य-करण (Cause and Effect)

(iv) उपमान प्रमाण (Comparison)

भाग - ग / Section - C

7. 'सर्वव्यवहारहेतुर्गुणो बुद्धिर्ज्ञानम्' कथन के आधार बुद्धि के स्वरूप का वर्णन विशद कीजिए । (7)

Discuss in details the Concept of 'Buddhi' on the basis of the statement 'सर्वव्यवहारहेतुर्गुणो बुद्धिर्ज्ञानम्'.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के आधार पर प्रमा की परिभाषा देते हुए प्रमा के प्रकार बताइये ।

Define Pramā and discuss its types on the basis of the text of Tarka Sangraha.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6 + 6)

Explain any two of the following :

(i) आप्तवाक्यं शब्दः । **Deshbandhu College Library**
Kalkaji, New Delhi-19

(ii) कारणं त्रिविधम् - समवाय्यसमवायिनिमित्तभेदात् ।

(iii) सव्यभिचारविरुद्धसत्प्रतिपक्षाऽसिद्धबधिताः पञ्च हेत्वाभासाः ।

(iv) अनुमितिकरणमनुमानम् ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (4 + 4)

Write notes on any two of the following :

- (i) षड्विधसन्निकर्ष
- (ii) अन्वयव्यतिरेकी लिङ्गः
- (iii) व्याप्ति
- (iv) पञ्चावयववाक्य

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

[This question paper contains 3 printed pages.]

16

Your Roll No. 2022

Sr. No. of Question Paper : 3266

A

Unique Paper Code : 12137905

Name of the Paper : Sanskrit Linguistics

Name of the Course : B.A. (Hon.) DSE, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

1. भाषा विज्ञान के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

8

Explain the nature of linguistics.

अथवा / Or

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

भाषा विज्ञान के प्रमुख अङ्गों का विवेचन कीजिए ।

Discuss the main components of linguistics.

2. भाषा विज्ञान की दृष्टि से भाषा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

8

Explain the nature of language according to the linguistics.

अथवा / Or

भाषा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

Discuss the characteristics of the language.

3. भारोपीय भाषापरिवार की शाखाओं का परिचय दीजिए ।

12

Describe the branches of Indo- European family of language.

अथवा / Or

मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत के विकास पर प्रकाश डालिए ।

Highlight the development of Sanskrit from Proto Indo-European language.

4. संस्कृत की दृष्टि से ध्वनिविज्ञान का परिचय दीजिए ।

12

Give an introduction of phonetics of Sanskrit.

अथवा / Or

संस्कृत की दृष्टि से वाक्यविज्ञान का विवेचन कीजिए ।

Discuss syntax from Sanskrit point of view.

5. संस्कृत के भाषावैज्ञानिक अध्ययन की प्राचीनता का परिचय दीजिए ।

12

Give an introduction the antiquity of linguistic study of Sanskrit.

अथवा / Or

आधुनिक भाषाविज्ञान में संस्कृत के महत्त्व पर एक लघु निबन्ध लिखिए ।

Write a short essay on the importance of Sanskrit in the modern linguistics.

3266

6. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
Write short notes on the following:

(8+8+7=23)

(क) भाषा विज्ञान की उपयोगिता

Utility of linguistics

अथवा / Or

अल्पप्राण-महाप्राण

Lenis and Fortis

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

(ख) मूल भारोपीय भाषा

Proto-Indo-European language

अथवा / Or

ध्वनिपरिवर्तन के कारण

Causes of phonetic changes

(ग) संस्कृत वाक्यविन्यास का वैशिष्ट्य

Features of Sanskrit Syntax

अथवा / Or

तद्धित

Taddhit

[This question paper contains 2 printed pages.]

(17)

Your Roll No...2022

Sr. No. of Question Paper : 3434

A

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre and Dramaturgy in Sanskrit

Name of the Course : BA (H), DSE, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

1. नाट्यमण्डप के 18 प्रकार कौन-कौन से हैं? श्रेष्ठ नाट्यमण्डप की विशेषताओं को भी लिखिये। 12

What are the 18 types of theatres? Write the characteristics of a best theatre.

2. आंगिक अथवा सात्त्विक अभिनय पर प्रकाश डालिए। 12

Throw light on Angika or Saattvika type of actings.

3. रस-निष्पत्ति अथवा स्वाद को विस्तार से लिखिए। 12

Write in detail on rasanishpatti or swad .

4. किन्हीं पांच पर टिप्पणी लिखिए। 5x5=25

Write note on any five:

रंगशीर्ष, अर्थप्रकृति, प्रेक्षागृह, धीरप्रशान्त, अनुभाव, दारबार रंगमंच

5. किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए। 3.5x2=7

Define any two:

प्रासंगिक कथावस्तु, कंचुकी, अपवारित, नाट्यद्वार

6. किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए। 7

Write note in Sanskrit on any one:

परकीया नायिका, विदूषक, विस्तार, विष्कम्भक

Dashbandhu College Library
Karkaji, New Delhi-19

[This question paper contains 4 printed pages.]

(18)

Your Roll No. 2022

Sr. No. of Question Paper : 3488

A

Unique Paper Code : 12131602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : B.A. (H), Core, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

**Deshbandhu College Library,
Kalkaji, New Delhi-19**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

भाग-क

(Part -A)

1. चतुर्थी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4

Explain the rules of चतुर्थी विभक्ति with examples.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए:

Explain any two of the following sutras:

ध्रुवमपायेऽपादानम्, आधारोऽधिकरणम्, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, स्वतन्त्रः कर्ता,

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों में सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति को कारण बताइए:

4

Explain the reason of the case ending in any four sentences:

- त्वं पठितुं विद्यालयं गच्छसि।
- सः विद्यालयं परितः परिभ्रमति।
- रामः रावणाय अलम् अस्ति।
- बालकाय मोदकं रोचते।
- बालकः मातरं रुप्यकाणि याचते।
- हिमालयात् गङ्गा प्रभवति।
- देवदत्तः गुरुकुले अध्ययनेन वसति।
- प्रासादात् बालः अपतत्।

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

3. वाच्य से क्या अभिप्राय है? वाच्य के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट करें।

8

What is the voice? Explain Type of voice with examples.

अथवा/Or

शतृ एवं शानच् प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples शतृ and शानच् suffixes.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए:

5

Change the voice of any five of the following sentences:

- सः ग्रामं गच्छति।
- कन्यया संस्कृतं पठ्यते।
- देवाः आशीर्वादान् यच्छति।
- त्वं पुष्पाणि चिनोषि।
- मोहनः स्वपिति।

- vi. त्वया कथं भूयते।
 vii. सः रामेण सह दिल्लीप्रदेशं गतवान्।
 viii. शिशुना पयः पीयते।

Shbandnu College Library
 Kalkaji, New Delhi-19

भाग-‘ख’

(Part -B)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए:
 Translate in Sanskrit Language any Seven sentence of the following:

7

- | | |
|--|--|
| i. तुम कहाँ जाते हो? | Where do you go? |
| ii. मेरे पिता का नाम श्री रामचंद्र है। | My father's name is Shri Ram Chandra. |
| iii. लोग देवालय में ईश्वर को पूजते हैं। | People worship God in the temple. |
| iv. वह यहाँ से कहाँ गया? | Where did he go from here? |
| v. यदि तुम पढ़ोगे, तो जीवन में सफल होगे। | If you read then you will succeed in life. |
| vi. तुम सब कब खेलोगे? | When did you all play? |
| vii. तुम जो बोओगे, वह काटोगे। | What you sow, so shall you reap. |
| viii. भक्त शिव को नमस्कार करते हैं। | Devotees bow to Shiva. |
| ix. गायत्री मंत्र से बुद्धि सबल होती है। | Gayatri Mantra enriches one's intellect. |
| x. जल से शरीर के अंग शुद्ध होते हैं। | Water purifies the parts of the body. |
| xi. विद्यालय विद्या के मंदिर होते हैं। | Schools are the temples of Education. |

6. निम्न में से किसी एक का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

8

Translate any **one** of the following paragraphs into **Hindi** or into **English**:

ईस्वीवर्षस्य सप्तमशताब्द्यां महाराष्ट्रप्रान्ते आसीद् राजा विष्णुवर्धनः। तस्य राजसभायां महाकविः भारविः राजकविः आसीत्। तस्य महाकाव्यं किरातार्जुनीयं पुराकालादेव अत्यन्तं प्रसिद्धं वर्तते। तद् अमरकाव्यम् अर्थगौरवात् संस्कृतसाहित्यस्य बृहत्त्रय्यां प्रथमं स्थानम् अलङ्करोति। भारविः बाल्यकाले महता परिश्रमेण विद्याम् अर्जितवान्। स नियमेन चतुरो वेदान् षट् शास्त्राणि चापठत्। तस्य विलक्षणा प्रतिभा काव्यरचनायामपि प्रवृत्ता। सः सर्वदा विद्वत्सभासु सोत्साहम् उपातिष्ठत्। तत्र पण्डितैः सह अनेकवारं चातुर्येण शास्त्रार्थम् अकरोत्। सः कविसम्मेलनेषु निरन्तरं काव्यम् अश्रावयत्। श्रोतारः तस्य रम्यं काव्यं श्रुत्वा भृशं प्रशंसन्ति स्म। इत्थं काव्यकलायां तस्य कीर्तिलता अल्पेनैव कालेन चतुर्दिक्षु प्रासरत्।

अथवा/Or

ये जनाः दृढप्रतिज्ञाः भवन्ति तेषां कृते तेषां व्रतमेव सर्वप्रमुखं भवति। संसारे ईदृशाः जनाः अभवन् ये जीवनस्य अन्तिमे क्षणेऽपि सत्यस्य आश्रयं नात्यजन्। स्वात्मनः विपर्यये किञ्चिद् कर्म अपि नाकुर्वन्। अनेकासु विपत्तिषु अपि नृपः हरिश्चन्द्रः सत्यस्याश्रयं नात्यजत्। महाराणा प्रतापः आजीवनं वने

P.T.O.

वनेऽभ्रमत्। स्वभार्या बालं च बुभुक्षया निष्प्राणान्निव पश्यन्नपि सः तेषां वार्तां न अमन्यत। ते तस्मै पराधीनं जीवनं जीवितुम् अकथयन्। आधुनिके काले महर्षिः दयानन्दोऽपि सत्यस्य पालने वेदप्रचारे च स्वजीवनस्य बलिदानम् अकरोत् परं सत्यस्य मार्गं नात्यजत्। एवमेव पुण्यभूमिभारते अनेके ईदृशाः महापुरुषाः अजायन्त ये स्वजन्मना इमां भूमिं पवित्राम् अकुर्वन्। अद्यापि तेषां चरणचिह्नानि मानवस्य सत्याचरणं प्रति प्रेरयन्ति।

7. दो मित्रों के मध्य होने वाले आतङ्कवाद विषयक वार्तालाप को संस्कृत भाषा में लिखिए। 6
Write the conversation between two friends on the topic of terrorism in Sanskrit Language.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं छः को शुद्ध कीजिए:
Correct any six of the following:

- विद्या सत्यात् शोभते ।
- नृपेण मृगेषु शराः अक्षिपत् ।
- दश नाटक अस्ति।
- उद्यानस्य निकषा वनम् अस्ति।
- आसन्दिकायां अधितिष्ठति।
- ग्रामे अश्वं नेष्यति।
- पादेन खञ्जः ।
- अहम् फले खादितम् ।

Shbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

8. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: 6
Fill up the blanks of any six of the following with suitable suffixes:

- त्वया भोजनं.....(खाद्+क्त) ।
-(हस्+शतृ) बालकं पश्य ।
- शिशुः मोदकं(दृश्+क्त्वा) प्रसीदति।
- मोहनः क्रीडनकानि.....(क्री+तुमुन्) गमिष्यति।
- रमणिका भोजनं(पच्+शानच्) अस्ति ।
- सेवकः नृपं(प्र+नम्+ल्यप्) उपविशति।
- मया कुत्रापि न.....(गम्+अनीयर)।
- सुनीता पत्रं(लिख्+क्तवतु)।

भाग-'ग'

(Part -C)

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: 15
Write an essay on the following topics:
भारतीया संस्कृतिः, उपमा कालिदासस्य, संस्कृतभाषाया महत्त्वम्, महाभारतम्
10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लघु-निबन्ध लिखिए: 10
Write an essay on the following topics:
आतङ्कवादः, कोरोना, जलवायुपरिवर्तनम्, संगणकस्य उपयोगिता .

(1500)

[This question paper contains 2 printed pages]

(19)

2022

Roll No. :
 Unique Paper Code : 12137902
 Name of the Paper : Art of Balanced Living
 Name of the Course : B.A. (Hon.) DSE _OC
 Semester : VI
 Duration : 3 Hours
 Maximum Marks : 75 Marks

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

Answer all questions.

भाग 'क' (Section A)

1. बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर याज्ञवल्क्य के इस कथन- 'न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति' को स्पष्ट कीजिए।

(11)

Explain this statement 'न वा अरे पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति' of Yājñavalkya on the basis of Brhadāranyakopaniṣada.

Shbandhu College Library

अथवा / Or Rarkail, New Delhi-19

बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Discuss the nature of Śravaṇa, Manana, and Nididhyāsana on the basis of Brhadāranyakopaniṣada.

भाग 'ख' (Section B)

2. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए :

(7×2=14)

Explain the Following:

(अ) अभ्यासवैराग्याभ्यां तन्निरोधः।

अथवा / Or तत्परं पुरुषाख्यातेर्गुणवैतृण्यम्।

(आ) अहिंसासत्यास्तेयब्रह्मचर्यापरिग्रहा यमाः।

अथवा / Or तत्र प्रत्ययैकतानता ध्यानम्।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणियाँ लिखिए:- (6×3=18)
Write short notes on any three of the following:

(अ) चित्तवृत्ति (आ) करुणा (इ) स्वाध्याय (ई) प्राणायाम (उ) समाधि

4. अधोलिखित की व्याख्या कीजिए: (6×4=24)
Explain the following:

(क) इष्टान्भोगान्हि वो देवा दास्यन्ते यज्ञभाविताः।
तैर्दत्तानप्रदायैभ्यो यो भुङ्क्ते स्तेन एव सः॥

अथवा / Or

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

(ख) यतो यतो निश्चरति मनश्चञ्चलमस्थिरम्।
ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव वशं नयेत्॥

अथवा / Or Doshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi

प्रशान्तमनसं ह्येनं योगिनं सुखमुत्तमम्।
उपैति शान्तरजसं ब्रह्मभूतमकल्मषम्॥

(ग) त्रिभिर्गुणमयैर्भावैरेभिः सर्वमिदं जगत्।
मोहितं नाभिजानाति मामेभ्यः परमव्ययम्॥

अथवा / Or

वेदाहं समतीतानि वर्तमानानि चार्जुन।
भविष्याणि च भूतानि मां तु वेद न कश्चन॥
(घ) श्रेयो हि ज्ञानं ध्यानाज्ज्ञानाद्ध्यानं विशिष्यते।
ध्यानात्कर्मफलत्यागस्त्यागाच्छान्तिरनन्तरम्॥

अथवा / Or

ये तु सर्वाणि कर्माणि मयि सन्न्यस्य मत्पराः॥
अनन्येनैव योगेन मां ध्यायन्त उपासते॥

भाग 'ग' (Section C)

5. गीता के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्म-योग' अथवा 'ध्यान-योग' की महत्ता का वर्णन कीजिए। (8)
Describe the importance of *Karma-Yoga* or *Dhyāna-Yoga* for balanced living on the basis of Gītā.

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...2022

Gr. No. of Question Paper : 3434

A

Unique Paper Code : 12137903

Name of the Paper : Theatre and Dramaturgy in
Sanskrit

Name of the Course : BA (H), DSE, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. नाट्यमण्डप के 18 प्रकार कौन-कौन से हैं? श्रेष्ठ नाट्यमण्डप की विशेषताओं को भी लिखिये। 12
What are the 18 types of theatres? Write the characteristics of a best theatre.
2. आंगिक अथवा सात्त्विक अभिनय पर प्रकाश डालिए। 12
Throw light on Angika or Saattvika type of actings.
3. रस-निष्पत्ति अथवा स्वाद को विस्तार से लिखिए। 12
Write in detail on rasanishpatti or swad .
4. किन्हीं पांच पर टिप्पणी लिखिए। 5x5=25
Write note on any five:
रंगशीर्ष, अर्थप्रकृति, प्रेक्षागृह, धीरप्रशान्त, अनुभाव, दारबार रंगमंच
5. किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए। 3.5x2=7
Define any two:
प्रासंगिक कथावस्तु, कंचुकी, अपवारित, नाट्यद्वार
6. किसी एक पर संस्कृत में टिप्पणी लिखिए। 7
Write note in Sanskrit on any one:
परकीया नायिका, विदूषक, विस्तार, विष्कम्भक